

कामाक्षि बङ्गारु कामाक्षि

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

रागम्: वराळि ताळम्: मिश्रचापु

पल्लवि

कामाक्षि बङ्गारु कामाक्षि नन्नु ब्रोवुवे

अनुपल्लवि

तामसमेल रावे सामगानलोले सुशीले

चरणम्

कामकलाप्रियभामिनि काम्यकामदे कल्याणि
कामाक्षी कञ्जदळायताक्षी त्रिकोणवासिनी कारुण्यरूपिणी ॥ १ ॥

पावनी मृदुभाषिणी भक्तपालिनी भवमोचनी
हेमाङ्गी हिमगिरिपुत्री महेश्वरि हीङ्गाररूपिणी ॥ २ ॥

श्यामकृष्णपरिपालिनी शुक्लश्यामळे शिवशङ्करी
शुलिनी सदाशिवुनिकी राणि विशालाक्षतरुणी शाश्वतरूपिणी ॥ ३ ॥

स्वर साहित्यम्

ना मनविनि विनु देवी नीवे गतियनि नम्मिननु
मायम्मा वेगमे करुण जूडवम्मा बङ्गारुब् ओम्मा ॥ ४ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇